भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3180

दिनांक 13 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

एएनआईआईएमएस की स्थापना

3180. श्री बिष्णु पद राय:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत सरकार के आदेश के अनुसार अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह आयुर्विज्ञान संस्थान (एएनआईआईएमएस) की पूर्ण स्थापना के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;
(ख) भवन निर्माण, प्रयोगशालाओं और चिकित्सा उपकरणों की खरीद आदि के लिए सिविल कार्य सहित सभी मामलों में मेडिकल कॉलेज की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ग) मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए कुल परियोजना लागत और इस संबंध में सरकार द्वारा स्वीकृत और जारी की गई राशि कितनी है;
(घ) निर्धारित समय-सीमा के भीतर और आवंटित परियोजना राशि के भीतर काम पूरा नहीं होने की स्थिति में लागत वृद्धि को किस तरह से प्रबंधित किया जाएगा; और
(ङ) उक्त परियोजना के कार्यान्वयन में देरी के मामले में किस तरह से जवाबदेही तय करने का प्रस्ताव है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में श्री विजय पुरम में वर्तमान जिला अस्पताल जीबी पंत अस्पताल के उन्नयन के लिए 2015 में 189 करोड़ रूपए की लागत से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की '*वर्तमान जिला/रेफरल अस्पतालों से जुड़े नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना*' हेतु केंद्रीय प्रायोजित योजना के चरण-I के तहत अंडमान और निकोबार द्वीप समुह आयुर्विज्ञान संस्थान (एएनआईआईएमएस) को अनुमोदित किया गया था। इस परियोजना के लिए 113.40 करोड़ रुपये का संपूर्ण केंद्रीय हिस्सा संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन को जारी कर दिया गया है। नए चिकित्सा परिसर में नए भवन का निर्माण मार्च, 2026 तक पूरा होने की संभावना है। तथापि, मौजूदा अस्पताल में सभी प्रयोगशालाएं

(पैथोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री) निकटवर्ती भवन में पूर्णत: कार्यशील हैं। सभी अपेक्षित आवश्यक उपकरण उपलब्ध हैं तथा सभी मूल और आवश्यक जांच कार्य नियमित रूप से किए जा रहे हैं।

(घ) और (ङ): चिकित्सा महाविद्यालय की अनुमोदित लागत से अधिक व्यय को संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा वहन किया जाएगा। एएनआईएमएस की स्थापना एक ऐसी परियोजना है जिसमें चुनौतीपूर्ण भू-भाग, भौगोलिक बाधाओं, लॉजिस्टिक मुद्दों और कार्यबल की उपलब्धता आदि जिससे परियोजना की प्रगति प्रभावित होती है, के कारण चरणबद्ध दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।

****